[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 9469 **IC**

Unique Paper Code : 62051202

Name of the Paper : MIL, Hindi Bhasha Aur Sahitya – A

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi A – CBCS**

Semester : II

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10×3=30)

(क) कबीर इस संसार कों, समझाऊँ कै बार ।
पूँछ जु पकड़ै भेद की, उतर्‌या चाहै पार ।।
जैसी मुष तैं नीकसै, तैसी चालै नाहिं ।
मानिष नहीं ते स्वान गति, बांध्या जमपुर जांहिं ।।

अथवा

P.T.O.

मण थें परस हरि रे चरण ।।

सुभग सीतल कँवल कोमल, जगत ज्वाला हरण ।

जिण चरण प्रह्लाद परस्याँ, इन्द्र पदवी धरण ।

जिण चरण ध्रुव अटल करस्याँ, सरण असरण सरण ।

जिण चरण ब्रह्मांड भेट्याँ, नखसिखाँ श्री धरण ।

जिण चरण कालियाँ णाथ्याँ, गोपी लीला करण ।

जिण चरण गोबरधन धारयाँ, गरब मधवा हरण ।

दासि मीरा लाला गिरधर, अगम तारण तरण ।

(ख) चल्यौ जाइ, ह्याँ को करै हाथिनु के व्यापार ।

नहिं जानतु, इहिं पुर बसैं धोबी, ओड़, कुँभार ।।

नीच हियैं हुलसे रहैं गहे गेंद के पोत ।

ज्यौं ज्यौं माथैं मारियत, त्यौं त्यौं ऊँचे होत ।।

अथवा

रूपनिधान सुजान लखें बिन आंखिन दीठि हि पीठि दई है ।

ऊखिल ज्यौं खरकै पुतरीन मैं, सूल की मूल सलाक भई है ।

ठौर कहूँ न लहै ठहरानि को मूदें महा अकुलानिमई है ।

बूडत ज्यौ घनआनँद सोचि, दई बिधि ब्याधि असाधि नई है ।।

(ग) अधिकार खोकर बैठ रहना, यह महा दुष्कर्म है
न्यायार्थ अपने बन्धु को भी दण्ड देना धर्म है।
इस तत्त्व पर ही कौरवों से पाण्डवों का रण हुआ,
जो भव्य भारतवर्ष के कल्पान्त का कारण हुआ।।

अथवा

अमल धवलगिरि के शिखरों पर
बादल को घिरते देखा है।
छोटे-छोटे मोती जैसे
उसके शीतल तुहिन कणों को
मानसरोवर के उन स्वर्णिम
कमलों पर गिरते देखा है
बादल को घिरते देखा है।

2. किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए : (10)

(क) बिहारी ;

(ख) घनानंद ।

3. कबीर के दोहों के आधार पर उनकी भक्ति के स्वरूप पर प्रकाश डालिए। (10)

अथवा

मीरा के पदों का प्रतिपाद्य लिखिए।

4. 'भेरे नगपति मेरे विशाल' ('हिमालय के प्रति') कविता के मूल कथ्य पर विचार कीजिए। (10)

अथवा

'जयद्रथ वध' के आधार पर मैथिलीशरण गुप्त जी की काव्य भाषा का विचार कीजिए।

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (5×3=15)

(i) हिंदी भाषा की व्युत्पत्ति ;

(ii) ब्रजभाषा ;

(iii) आदिकालीन साहित्य की विशेषताएँ ;

(iv) कृष्ण भक्ति धारा ;

(v) रीतिमुक्त काव्य ;

(vi) नई कविता।